रणजीत टाइम्स

विशेषांक

साप्ताहिक अख़बार

इंदौर

सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025

वर्ष 13 | अंक 21 | कुल पृष्ठ : 8 |

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रकाश पर्व पर उमंग और उल्लास का माहौल, प्रधानमंत्री मोदी ने दी देशवासियों को दीवाली की शुभकामनाएं

आज पूरे देश में दीपों का पर्व दीवाली हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही लोगों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। घरों, गलियों और मंदिरों में दीप जलाकर लोग भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशी मना रहे हैं। बाजारों में

रौनक है और मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। हर कोई अपने घर को सजाने और अपने प्रियजनों को शुभकामनाएं देने में व्यस्त है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह प्रकाश पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौहार्द लेकर आए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का यह पर्व हर भारतीय के जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करे। प्रधानमंत्री के संदेश के बाद देशभर के विभिन्न हिस्सों से भी शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई प्रमुख नेताओं ने भी देशवासियों को दीवाली की शुभकामनाएं दीं। अयोध्या से लेकर कश्मीर तक और कन्याकुमारी से लेकर कच्छ तक पूरा देश दीपों से जगमगा रहा है। हर तरफ रोशनी, उमंग और भाईचारे का वातावरण है। लोग एक-दूसरे के साथ खुशियां बांट रहे हैं और दीपों के प्रकाश से अपने जीवन को आलोकित कर रहे हैं।

लक्ष्मीतत्व की जागृति का महापर्व है

दीपावली महोत्सव

दीपावली यूं तो पांच दिन का महापर्व होता है परंतु इस पर्व को भारतवासी लक्ष्मी तत्व की स्थापना के पर्व के रूप में अधिक महत्व देते हैं। महालक्ष्मी को वैभव की देवी के रूप में शास्त्रों में वर्णित किया गया परंतु समय व्यतीत होने के साथ-साथ वैभव को धन के साथ जोड़ दिया गया और महालक्ष्मी को धन की देवी के रूप में देखा जाने लगा कई लोग धन, सोना, चांदी, धान्य आदि को ही श्रीलक्ष्मी समझ बैठे तथा उन्होंने इन्हीं भौतिक पदार्थों को श्री लक्ष्मी का प्रतीक मान उनका पूजन आरंभ कर दिया। शनैः - शनैः धन शक्ति प्रदर्शन का माध्यम भी बनने लगा तथा अन्य लोगों को नियंत्रित करना या उन पर दबाव बनाने की कोशिश करना तथाकथित लक्ष्मीपतियों का स्वभाव बनने लगा। श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में वर्णित किया है कि, "लक्ष्मी की पूजा करने वाले लोगों को याद रखना होगा कि उन्हें किसी पर भी ना तो दबाव डालना है, ना ही किसी पर नियंत्रण करना है..... लक्ष्मी तत्व को समझा जाना चाहिए कि भौतिक पदार्थ आपके प्रेम को अभिव्यक्त करने के लिए हैं।"

लक्ष्मीपति का अर्थ होता है उसका दिल बहुत बड़ा है कंजूस आदमी लक्ष्मीपति नहीं हो सकता। संतुष्ट करना लक्ष्मी जी का गुण है लक्ष्मी जी से आशीर्वादित होने का अर्थ है संतुष्ट होना। आप जान लेते हैं कि धन, सत्ता तथा अन्य बेकार की चीजों के पीछे मारे- मारे फिरना मूर्खता है। धन है तो उसका सदुपयोग करते हैं दूसरों की मदद करने में।

वास्तव में जब लक्ष्मी तत्व जागृत होता है तो आप वैभवशाली हो जाते हैं आपके अंदर संतोष, देने की प्रवृत्ति, सहनशीलता आदि गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है। ऐसा व्यक्ति जिसका लक्ष्मी जागृत होता है उसकी उपस्थिति मात्र ही संपूर्ण वातावरण को वैभवशाली बना देती है।

श्री माताजी के अनुसार"लक्ष्मी जी हमारी नाभि में निवास करती हैं जब हमारी कुंडलिनी नाभि पर आ जाती है,जब कुंडलिनी खुल जाती है तो हमारे अंदर वह जागृति आ जाती है जिससे लक्ष्मी जी का स्वरूप हमारे अंदर प्रकट हो जाता है ।" लक्ष्मी तत्व की जागृति का सह उत्पाद धन तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है परंतु यही धन यदि नियंत्रित ना रहे तो हमें लक्ष्मी तत्व से दूर भी कर देता है। जब हम इस प्रकार के असंतुलन में चले जाते हैं तो प्रश्न उठता है अब हमें क्या करना चाहिए ? हम स्वयं को संतुलित किस प्रकार करें ? इसके लिए आत्मज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए कुंडलिनी का जागरण होना तथा परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति से जुड़ना आवश्यक है। कुंडलिनी जागरण के पश्चात अंतर्परिवर्तन होता है तथा आप अपनी कमियों को देख सकते हैं और उन्हें सुधार सकते हैं तथा आप सदैव ही संतुलन में स्थित रह पाते हैं। संतुलन की स्थिति है वास्तव में लक्ष्मी तत्व की जागृति होती है। कुंडलिनी जागरण तथा आत्म साक्षात्कार की अनुभूति टोल फ्री नंबर18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

दीपावली पर भाईदूज के अवसर पर बंदियों की खुली मुलाकात हेतु दिशा-निर्देश जारी

हेमंत भार्गव

शिवपुरी। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में भाईदूज के दिन सर्किल जेल शिवपुरी एवं अधीनस्थ जेलों में निरुद्ध बंदियों की अपने परिजनों से मुलाकात की विशेष व्यवस्था की गई है। जेल अधीक्षक सर्किल जेल शिवपुरी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 23 अक्टूबर को जिले की समस्त जेलों सर्किल जेल शिवपुरी, जिला जेल गुना, अशोकनगर, श्योपुर एवं सब जेल पोहरी, कोलारस, पिछोर, करैरा और चांचौड़ा में बंदियों की खुली मुलाकात कराई जाएगी।

इस विशेष अवसर पर भाई-बहन के पवित्र संबंध को सहेजने हेतु बंदियों से मिलने उनके परिजनों को सीमित व नियंत्रित व्यवस्था में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पुरुष बंदियों से केवल उनके परिवार की महिला सदस्य एवं 06 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ही जेल गेट के अंदर प्रवेश की अनुमति होगी। प्रत्येक बंदी से मुलाकात का समय अधिकतम 10 मिनट निर्धारित किया गया है तथा मुलाकात का समय प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक रहेगा।

जेल प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रवेश के समय सभी मुलाकाती परिजनों को पहचान हेतु किसी एक वैध पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र या पैन कार्ड साथ लाना अनिवार्य रहेगा। किसी भी व्यक्ति को पर्स, मोबाइल, नकदी या अन्य कीमती सामान लेकर जेल के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मुलाकात के दौरान केवल 250 ग्राम तक मिठाई, गजक या सोनपपड़ी ले जाई जा सकेगी। अन्य किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ भीतर ले जाना वर्जित रहेगा। जेल प्रशासन द्वारा सभी बहनों के लिए पूजा थाल की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें हल्दी, कुमकुम, चावल आदि सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। मुलाकात के दौरान सभी परिजनों से अनुशासन एवं सहयोग की अपेक्षा की गई है। नगद राशि बंदियों को देना सख्त वर्जित किया गया है, ऐसा करने पर मुलाकात प्रतिबंधित की जाएगी तथा बंदी के विरुद्ध जेल अपराध दर्ज किया जाएगा। जेल अधीक्षक ने अपील की है कि सभी परिजन निर्धारित नियमों का पालन करते हुए भाईदूज पर्व को अनुशासित, शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाएं। जेल प्रशासन द्वारा यह दिशा-निर्देश बंदियों के परिजनों की सुविधा एवं पर्व के सुचारू संचालन के उद्देश्य से जारी किए गए हैं।

एक तू ही जयगुरूदेव बज्मे महक मदरसे इंदौर मध्य प्रदेश में द्वारा आयोजित उत्कृष्ट बच्चों के पुरस्कार वितरण किया गया

इंदौर। समारोह में मुख्य अतिथि थे एक तू ही जयगुरूदेव सदगुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब और पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल कार्यक्रम आयोजक थे सूफ़ी याहया बाबा साहब बच्चों को साईकिल व वस्त्र किताबें एक तू ही जयगुरूदेव के द्वारा कलम पेन दिए गए अन्य शामिल थे पार्षद हाजी पटेल,इकबाल खान ,जावेद लाला अन्य लोगों महिला बच्चों ओर सभी समुदायों के लोगों के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया ,एक तू ही जयगुरूदेव ने कहा आज के समय में बच्चों को अच्छी शिक्षा और भाई चारे को सीखना ही होगा जब ही देश सुरक्षित रह सकता हैं और बच्चों को आशीर्वाद दिया उनके उज्जव भविष्य की कमाना की। राजपाल जी ने कहा सभी को भाई चारा ओर प्रेम से रहना चाहिए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कमाना कर सभी को मुबारक बाद दिया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर: आतिशबाजी का कचरा समेटने रात तीन बजे से टीमें संभालेंगी मैदान

इंदौर । नगर निगम (Municipal council) द्वारा कल शहर (Indore) के सभी प्रमुख बाजारों को चकाचक करने का अभियान (Campaign) चलेगा। इसके लिए सफाई कर्मचारियों की टीमें लगाई जाएगी, वहीं दूसरी और दीपावली (Diwali) की रात आतिशबाजी (fireworks) से फैले कचरे को रात तीन बजे से समेटने का काम शुरू होगा। दीपावली के चलते बाजारों में खासी भीड़ रहेगी और इस दौरान वहां कचरा और गंदगी नहीं रहे, इसके लिए निगम दोपहर में भी सफाई अभियान चलाएगा, ताकि सडक़ें चकाचक रहे। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कल अलग अलग टीमें 11 बजे कई प्रमुख बाजारों में सफाई अभियान शुरू करेंगी। हालांकि कई बाजारों की सुबह सफाई नियमित होती ही है, लेकिन दोपहर के सत्र में भी भीड़ वाले बाजारों में सफाईकर्मी तैनात रहेंगे। कुछ बरसों पहले नगर निगम सराफा से लेकर प्रमुख बाजारों की सडक़ें टैंकरों से धोता रहा है, लेकिन धीरे-धीरे यह काम बंद हो गया और अब दो बार सफाई अभियान चलाया जाता है। दीपावली की रात आतिशबाजी के दौरान पटाखों का कचरा समेटने के लिए रात तीन बजे से सभी झोनलों की टीमें सडक़ों पर पहुंचकर मैदान संभालेंगी। अफसरों का कहना है कि दो से तीन घंटे के अंतराल में सारी सडक़ें फिर चकाचक कर दी जाएगी।

अखण्ड दीप

शुभकामनाएं

एक दीप जलाओ अपनों मे,
मधुर संबन्ध जिसके साथ हो।
एक दीप जलाओ संबंध में,
परम विश्वाश जिसके साथ हो।
एक दीप जलाओ विश्वास का,
अपार प्रेम जिसके साथ हो।
एक दीप जलाओ प्रेम का,
करुण दया जिसके साथ हो ।
एक दीप जलाओ दया का,
जीवंत आस्था जिसके साथ हो।
एक दीप जलाओ आस्था का,
पूर्ण सम्मान जिसके साथ हो।
एक दीप जलाओ सम्मान का,
उतम क्षमा जिसके साथ हो।

द्वारा –: विपिन जैन 'श्रीजैन'

सोती रही पुलिस, जागते रहे चोर -कोलारस में चोरों के हौसले बुलंद

रणजीत टाइम्स

शिवपुरी जिले के कोलारस नगर में चोरी की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीती रात चोरों ने पुलिस की गश्त व्यवस्था की पोल खोलते हुए एक साथ दो दुकानों को निशाना बना डाला। जानकारी के अनुसार, भडौता रोड स्थित राजेंद्र कुशवाह की किराना दुकान में रात्रि के दौरान चोरों ने डंडे से शटर तोड़कर 13,000 नगद उड़ा लिए। वहीं दूसरी ओर किराना व्यवसायी संजय जैन की दुकान में भी अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन मोहल्ले के लोगों की सजगता से चोरी की वारदात टल गई।

संजय जैन ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे दो मोटरसाइकिल पर सवार नशे में धुत युवक चोरी करने आए थे। मोहल्लेवालों ने पीछा कर एक चोर को पकड़ लिया, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी के पास से नशे का सामान बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोलारस पुलिस की गश्त केवल कागजों में दिखती है, जबकि वास्तविकता में रात के समय पुलिसकर्मी अक्सर ड्यूटी के दौरान सोते पाए जाते हैं। नगर में बीते कुछ महीनों से लगातार हो रही चोरियों के बावजूद पुलिस अभी तक किसी भी गैंग का सुराग नहीं लगा पाई है।

लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है

सवाल उठ रहा है कि "क्या कोलारस पुलिस गश्त के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभा रही है?" और "कब रुकेगी नगर में लगातार बढ़ती चोरी की वारदातें?" फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन नागरिकों का भरोसा लगातार डगमगा रहा है।

दीपावली सुरक्षा निर्देश

रणजीत टाइम्स न्यूज़

इंदौर। दीपावली पर्व के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रणजीत टाइम्स न्यूज़ सभी पाठकों से अपील करता है कि इस शुभ पर्व को हर्ष और सतर्कता के साथ मनाएं। पटाखों से सावधानी केवल खुले स्थान पर ही आतिशबाज़ी करें। बच्चों को पटाखे जलाते समय अकेला न छोड़ें। हाथों में जलते फुलझड़ी या बम पकड़कर न रखें, और दूरी बनाए रखें। पानी की बाल्टी और प्राथमिक उपचार का साधन पास रखें।

दीपक और बिजली की सुरक्षा

दीयों को पर्दों, लकड़ी या ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें। बिजली के तारों या सॉकेट्स पर ज़रूरत से ज़्यादा लोड न डालें। रात में सोने से पहले सभी दीये और लाइट्स बंद करें।

यातायात और भीड़भाड़

सार्वजनिक स्थलों पर वाहन सावधानी से पार्क करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं। ट्रैफिक नियमों का पालन करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। सामाजिक और पर्यावरणिक जिम्मेदारी प्रदूषणरहित ग्रीन पटाखों का उपयोग करें। पेड़-पौधों के पास आतिशबाज़ी न करें। गरीब बच्चों को मिठाई और कपड़े बाँटकर दीपावली को खुशियों का पर्व बनाएं।

रणजीत टाइम्स न्यूज़ परिवार की ओर से सभी पाठकों, नागरिकों एवं सहयोगियों को दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपका गोपाल गावंडे

मुख्य संपादक

दिवालीः अंतर के प्रकाश और निरोगी जीवन का पर्व

सहज योग से जागृत करें अपने भीतर के प्रेम और आनंद का सच्चा दीप

भारतीय संस्कृति में दीपावली केवल दीपों का नहीं, बल्कि आत्मप्रकाश और आंतरिक समृद्धि का उत्सव है। यह वह समय है जब अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और रोग पर स्वास्थ्य की विजय होती है। इसीलिए दीपावली का आरंभ धनतेरस से होता है — वह दिन जब भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए और मानव को निरोगी जीवन का वरदान दिया।

कहा गया है- "पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया"। जब शरीर स्वस्थ और मन शांत होता है, तभी सच्चा आनंद प्राप्त होता है। सहज योग इसी आनंद और स्वास्थ्य का मार्ग है। सहज योग में ध्यान के माध्यम से हम अपने भीतर स्थित चैतन्य ऊर्जा को जागृत करते हैं। यह ऊर्जा हमारे चक्रों को शुद्ध कर शरीर, मन और आत्मा में संतुलन लाती है। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी साक्षात् भगवान धन्वंतरि का स्वरूप हैं। उनके द्वारा प्रदत्त सहज योग विधि से असाध्य रोगों से मुक्ति और मानसिक शांति संभव है। सहज योग का अभ्यास न केवल स्वास्थ्य प्रदान करता है, बल्कि जीवन में प्रेम, करुणा और स्थायी आनंद की अनुभूति भी कराता है। दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल बाहर दीप जलाना नहीं, बल्कि अपने अंतर में प्रेम और प्रकाश का दीप प्रज्वलित करना है। जब हृदय के भीतर करुणा का प्रकाश जलता है, तभी अंधकार मिटता है और जीवन में सच्ची दिवाली होती है। सहज योग हमें यह सिखाता है कि प्रेम ही वह अमृत है जो अहंकार, क्रोध और लोभ को दूर कर हमें संतोष और आनंद से भर देता है। इस दिवाली अपने भीतर के भगवान धन्वंतरि को जागृत करें। सहज योग के माध्यम से अपने चक्रों को संतुलित करें और अपने जीवन को स्वास्थ्य, शांति और प्रेम से आलोकित करें। जब हम अपने भीतर दीप जलाते हैं, तभी हम दूसरों के जीवन में भी प्रकाश फैला सकते हैं।

सहज योग- निःशुल्क, सहज और सर्वसुलभ।

अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें या YouTube चैनल "Learning Sahajayoga" पर सहज ध्यान की विधि जानें। इस दीपावली अपने भीतर के प्रकाश को जगाएँ, और बनें सच्चे अर्थों में निरोगी, प्रसन्न और आलोकित।

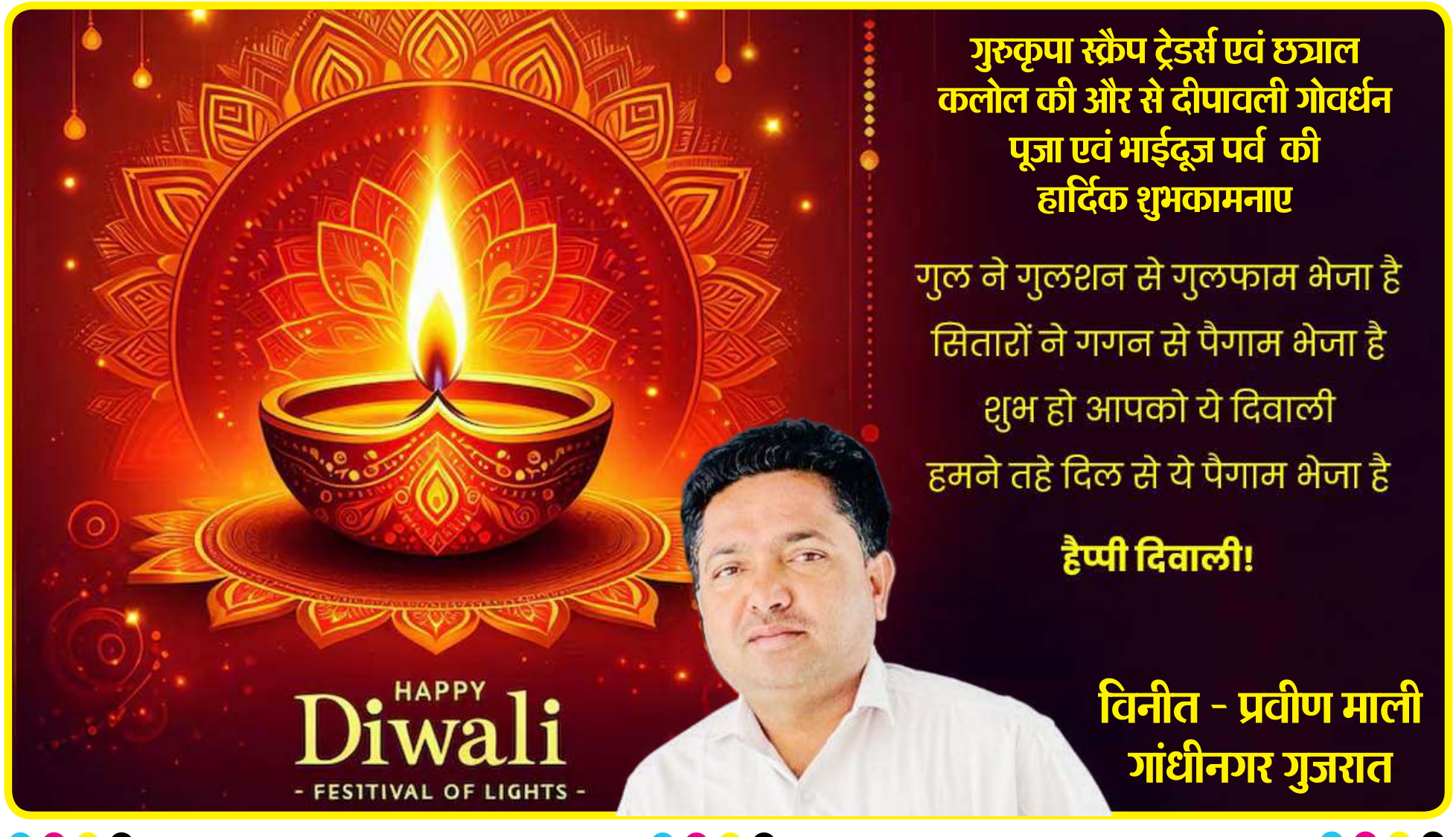

श्रीविनायक रियल एस्टेट,
भारत वासियो को दीपावली
की हार्दिक बधाई और
शुभकामनाये

मोबाइल नंबर 8959963122

तेज न्यूवे रियल एस्टेट
एवं वाड़ेकर परिवार की और से
दीपावली गोवर्धन पूजा एवं भाई
दूज पर्व की देशवासियो को हार्दिक
शुभकामनाये

-विनीत -
दीपक संगीता वाड़ेकर

FARM HOUSE WALA
Small budget Big size

इस दिवाली, माँ लक्ष्मी
के आशीर्वाद से अपने
सपनों की ज़मीन का
स्वामित्व पाएं!

आज ही निवेश करें FarmhouseWala के साथ!

Farmhousewala
Smart Investment, Greener Returns
Book Your Visit Today
+91 91096 39404
Visit our website
www.farmhousewalaa.com

NANDI
FARM

Happy
Diwali

रोशन रंगों का लोकचित्र

अंधेरी रात जब दीपों की पंक्तियों से जगमगाने लगे, तब समझिए कला ने अपना सबसे सुंदर रूप धरती पर उतार दिया है।

दीपावली वही क्षण है जब रंग, गंध, स्वर और भाव, सब मिलकर जीवन को एक विशाल कैनवास बना देते हैं। यह त्योहार बस घरों को ही नहीं, दिलों को भी सजाता है और हर चेहरे पर सौंदर्य की रोशनी बिखेर देता है।

रणजीत टाइम्स

कला रंगों, रेखाओं और भावों का उत्सव है। कभी यह आनंद का गीत गाती है तो कभी सामाजिक वेदना और चेतना का दर्पण बनती है। लेकिन जब दीपावली दस्तक देती है तो कला और सौंदर्य की बात अपने आप ज़रूरी हो जाती है। दीपावली वह पर्व है जो सबसे उदास मन को भी प्रफुल्लित कर देता है। कार्तिक मास की ठंडी, सेहलावन हवाओं में जगमगाते दीप, महकते फूल और सजे-संवरे घर ऐसे लगते हैं मानो पूरी धरती पर किसी ने सौंदर्य का आभूषण सजा दिया है। दीपावली में कला एवं सौंदर्य की यह छटा देखते ही बनती है। विशेष व्रत एवं तप के महीने में पड़ने वाले पर्व दीपावली में बचपन, यौवन और पचपन सभी की सक्रिय भूमिका होती है, पहले तो और भी होती थी। हम यहां आज कला एवं सौंदर्य के परिप्रेक्ष्य में ही दीपावली की बात करेंगे जहां पहले और आज में हुए तमाम परिवर्तनों पर भी बात होगी। दीपावली में कला की उपस्थिति पर बात होगी।

खेत-खलिहान में रंगों की कूची

सुबह का सूरज जब सुनहरी रोशनी फैलाता है तो लगता है खेत ही कैनवास बन गए हैं। आलू, मूली, धनिया की मेड़ें किसी ग्राफिक डिज़ाइन-सी आंखों को लुभाती हैं। काले कोयले की जगह यहां सुनहरी मिट्टी और मेहनतकश किसानों की आकृतियां, मानो विंसेंट वैनगॉग की पेंटिंग अनायास ही याद आ रही हो। दादी महीनों पहले से ही बखरी पर रंग-रोगन के कामों में लग जाती थी, पिड़ोर से गंउखा तथा डेहरियों के आसपास का क्षेत्र सजा दिया जाता था। घर के लोग विशेषतः महिलाएं ब्रश या बांस के कैनी को कूचकर या अपनी अंगुलियों से ही लोक रिवाजों को परिभाषित करते चित्र बनाने में लग जाती थीं। साल भर से स्मृतियों में सजे स्वप्न को दीवारों पर आकार मिलता था जिसको देखने भर से मन के सारे ग़म काफूर हो जाते थे। गांव कलाग्राम नज़र आने लगता था।

घर-आंगन की कलाकारी

घर का निर्माण वास्तु के आधार पर होता था जहां रंगों का विधान भी कला के अंतर्गत ही निहित-सा जान पड़ता था। गोबर से लिपी दीवारों पर गेरुआ और सिंदूरी रंग की छटा, फूलों की ख़ुशबू और पेड़ों पर चढ़े रंग—ये सब घरों को अनुपम बनाते। मंदिरों को अलग-अलग रंगों में रंगा जाता था, हालांकि मिट्टी में सने होने से रंग खुलकर तो नहीं आ पाते थे पर लगते ख़ूबसूरत थे। अप्रशिक्षित हाथों से बनी आकृतियां भी प्रशिक्षित कलाकारों को मात दे देतीं। दादा की दुनिया बाहर थी—दालान, बगीचा, चबूतरा। वहीं वे गाय-भैंसों को नहला-धुलाकर, सींगों पर काजल रगड़कर, उन्हें धूप में बांधते, मानो पशु भी दीपावली की शोभा का हिस्सा बन जाते। बच्चे मिट्टी के मंदिर गढ़ते, उन्हें सजाने की होड़ लगती। दोपहर में नोखई चाचा मिट्टी के दीये और खिलौने लेकर आते, साइकल की घंटी बजते ही बच्चों का झुंड उन्हें घेर लेता। खिलौनों और दीयों से भरे उनके झोले में जैसे गांव की सारी ख़ुशियां समा जातीं। मम्मी-चाची घर के भीतर की सफ़ाई के साथ ही मिट्टी के सभी बर्तनों और खिलौनों को पानी में डुबोकर रख देतीं ताकि ज़्यादा तेल ना सोखने पाएं।

अंधेरी रात रोशनी से नहा उठती

शाम को दादी बड़ी परात में देशी घी से दीपक सजातीं। दादा उन्हें खेत-खलिहान, घूर, मशीन और आंगन में जलाते। बच्चे हर दरवाज़े पर दीप सजाने में मग्न रहते। देखते ही देखते एक-एक दीया मिलकर हज़ारों की क़तार बन जाता, और अंधेरी रात रोशनी से नहा उठती। काश कि ऐसे ही मन का अंधेरा भी जगमग हो उठे। टिमटिमाती रोशनी में एक-दूसरे के चेहरों को देखना कितना सुखकर प्रतीत होता था। फिर पूजा का क्रम शुरू होता—दरवाज़े खुले रहते, यह विश्वास कि देवी-देवता पधारेंगे। प्रसाद चढ़ाने के बाद लोग पड़ोसियों के घर जाकर फल-फूल और प्रेम बांटते। यह मिलन दीपावली का असली सौंदर्य था। बच्चे पटाखों के साथ खेलते और घर में बने पकवानों को खाते हुए सो जाते थे। सुबह बच्चों में जल्दी उठने की होड़ थी। जो जल्दी उठता था रात को जली सभी दियलियां बीन लाता था। उसमें छिद्र कर गड़ारी बनाया जाता था जो आने वाले कुछ दिनों तक उनके खेलने और ख़ुश रहने का साधन हुआ करता था।

दीपावली का असली अर्थ

दीपावली सिर्फ़ घर और आंगन सजाने का पर्व नहीं, यह रिश्तों को नया उजियारा देने का अवसर था। अब समय बदल गया है, बच्चे मोबाइल में रमने लगे हैं, पर दीपावली में आज भी इतनी शक्ति है कि वह दिलों को जोड़ सके। गौरा-गौरी की पूजा, सुवा नृत्य, मिट्टी के दीप और रंगों से सजे घर—ये सब बताते हैं कि दीपावली के मूल में कला और सौंदर्य है। यह पर्व हमें राम के अयोध्या लौटने की याद दिलाता है, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक बनकर खड़ा रहता है। जीवन भले ही अलग-अलग रंगों का संगम हो, पर दीपावली उनमें ख़ुशियों का सबसे चमकदार रंग भर देती है। हर साल जब दीपों की क़तारें धरा को उजियारे से नहलाती हैं तो लगता है पूरा ब्रह्मांड कह रहा हो, 'अंधकार मिटे, प्रकाश फैले, और दिलों में सौंदर्य व प्रेम बस जाए।' भाषा-परिधान भले ही भिन्न हों पर उद्देश्य सभी का एक ही होता है, पूजा, सुकून और ख़ुशियों का फैलाव। जीवन विभिन्न रंगों का संगम है जहां प्रमुख चाहतों में ख़ुशियां हैं। दीपावली ख़ुशियों का त्योहार है, यह रंग-बिरंगे वातावरण का त्योहार है, यह ख़ुशियों को खुलकर एक-दूसरे से बांटने का त्योहार है। दीपावली में कला का भरा-पूरा संसार समाया हुआ है। रंग खेती-बाड़ी, दीवार, हवाओं और लोगों के मन तक को रंग जाता है। दीपावली के साथ ही रंगों से सजी एक नई दुनिया सभी के समक्ष प्रस्तुत हो जाती है जो कई महीनों तक अपने होने का एहसास कराती है। एहसास जैसे ही धीरे-धीरे धूमिल होने लगता है कि फिर आ धमकती है अगले वर्ष की दीपावली।

बैंक खाते को स्वर्ण-सा चमकीला बनाएं

महंगाई एक अनिश्चितता है। इसकी मार आपकी जेब को कभी भी ढीला कर सकती है। ऐसे में कुछ आर्थिक विकल्पों का सहारा लेकर अपने खाते की चमक को बढ़ा सकते हैं।

बने रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

दीपावली की रोशनी में जगमगाते सपनों की भावना को जीवित रखने का दूसरा चरण मज़बूत आर्थिक सुरक्षा हो सकती है।

इंश्योरेंस (बीमा) : त्योहारों जैसी ख़ुशियों को सुरक्षित रखने के लिए अचानक आने वाले संकट (जैसे कि बीमारी, नौकरी खोना) से बचना ज़रूरी है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस और इमरजेंसी सेविंग्स जैसे साधनों को चुन सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा लेकर अपनी कमाई को अस्पताल के हवाले होने से बचा सकते हैं। अस्पताल में इलाज का ख़र्च बढ़ता जा रहा है। यह ख़र्च आपकी कमाई से कहीं ज़्यादा हो सकता है। बीमा के साथ स्वास्थ्य से जुड़े संकटकाल में आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकते हैं। इससे आर्थिक परेशानी से बचा जा सकता है और इलाज पर ध्यान दिया जा सकता है। हमें सपने पूरे करने के लिए पैसों की ज़रूरत होती है। यह सपने हमारे और हमारे अपनों के होते हैं। लेकिन कल को हमें कुछ हो जाए तो हमारे अपनों के सपनों का क्या होगा? इस चिंता से बचा जा सकता है। जीवन बीमा ख़रीदकर आप यह सुरक्षा अपने परिवार को दे सकते हैं। इसके सहारे आप अपनी ज़िम्मेदारियां अपनी ग़ैरमौजूदगी में भी निभा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड : सेहत और जीवन के अलावा हमें अन्य आपातकालीन स्थितियों के लिए भी आर्थिक रूप से तैयार रहना चाहिए। हादसे और आपदाएं बताकर नहीं आती हैं। महंगाई जैसी आपदा का तो हम हर रोज़ ही सामना करते हैं। इसके अलावा आपदाएं जैसे कि नौकरी का जाना, बाढ़ (या अन्य पर्यावरण से जुड़ी आपदा), चोरी जैसे दुर्दिनों का हमें कभी भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हम आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए कुछ पैसे अलग से रख सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार यह राशि आपकी सालाना कमाई का एक तिहाई हिस्सा हो सकती है। या आप साल-दर-साल, धीरे-धीरे जमा कर सकते हैं। इस राशि को हम इमरजेंसी फंड बनाकर रख सकते हैं। यह फंड बचत या अधिक सुरक्षा वाले निवेश के रूप में हो सकता है। इसके लिए, इस राशि को एक अलग बैंक खाते में या म्यूचुअल फंड में रख सकते हैं। म्यूचुअल फंड में इसके लिए स्पेशल स्कीम है जिसे लिक्विड फंड कहते हैं। यह स्कीम आपातकालीन स्थितियों के लिए ही बनाई गई है। इसमें निवेश करना बैंक खाते में पैसे रखने और निकालने जितना सरल और सुरक्षित हो सकता है।

ऋण प्रबंधन : लोन आपके और आपके सपनों के बीच की दरार को भरने का एक साधन हो सकता है। यह लोन आपको बैंकों, ग़ैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और क्रेडिट कार्ड द्वारा मिल सकता है। आय से अधिक लोन लेने पर आप क़र्ज़ के जाल में फंस सकते हैं। इससे बचने के लिए, अनावश्यक लोन और क्रेडिट कार्ड के क़र्ज़ पर नियंत्रण रख सकते हैं। इसके अलावा, अच्छे क़र्ज़ (जैसे कि घर, शिक्षा, बिज़नेस) और बुरे क़र्ज़ (जैसे कि लक्ज़री, दिखावा) में अंतर समझें।

निवेश के साथ बनाएं उज्ज्वल भविष्य

निवेश आपके सपनों की चाभी के समान है। यह एक आर्थिक चाभी है जो निवेश के गुल्लक के भरने पर मिल सकती है। और निवेश का मूल-मंत्र है - 'बिना रुके, नियमित रूप से चलते जाना।' निवेश करते समय हमें अलग-अलग निवेश साधनों के बारे में जानना और समझना चाहिए। आप, निवेश जैसे कि, म्यूचुअल फंड्स, शेयर बाज़ार, फिक्स्ड डिपॉज़िट, स्वर्ण इत्यादि में से अपने आर्थिक सपनों के हिसाब से उचित निवेश मार्ग चुन सकते हैं। इनमें से हर निवेश आपके विभिन्न आर्थिक उद्देश्यों को पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है। अपने आर्थिक निर्णयों पर अटल रहने के लिए अपने परिवार को भी अपने प्लान का हिस्सा बनाएं।

अनिश्चितताओं से बचाता सोना : सदियों से, हम स्वर्ण पर भरोसा करते आ रहे हैं, और आपदाओं से निबटने की इसकी क्षमता पर विश्वास करते आए हैं। अब स्वर्ण में निवेश करना पहले से कहीं अधिक आसान है। आभूषण या सिक्के ख़रीदने के अलावा, आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जैसी सरकारी योजनाओं, डिजिटल गोल्ड और म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें। इन विकल्पों में निवेश करने से आपको स्वर्ण की सुरक्षा मिलती है, और मेकिंग चार्ज जैसी अतिरिक्त लागतों से भी छुटकारा मिल सकता है।

निवेश में विविधता : केवल स्वर्ण और एफडी पर निर्भर न रहकर आप दूसरे निवेश के साधन भी अपना सकते हैं। अलग-अलग निवेश साधनों की विशेषताओं को एकत्रित कर अपने निवेश को प्रबल बनाएं। निवेश जैसे शेयर आपको अत्यधिक मुनाफ़े की क्षमता प्रदान करते हैं। उसी तरह बॉन्ड्स आपको स्थिरता प्रदान करते हैं। आप इसके द्वारा सोने, चांदी, इएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस वाली कंपनियां), स्टार्टअप्स, रियल एस्टेट इत्यादि में निवेश कर सकते हैं।

तकनीक का सही इस्तेमाल : आपको अपने ख़र्चों और निवेशों पर नज़र रखनी चाहिए। इसके लिए आप फिनटेक एप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये एप्स वित्तीय सेवाओं को स्वचालित करने की सहायता देते हैं, तथा सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम के माध्यम से व्यवसायों और उपभोक्ताओं को वित्तीय संचालन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में सहायता प्रदान करते हैं।

परिवार को साथ लेकर चलना : बचत और उज्ज्वल भविष्य की आर्थिक तैयारी व्यक्तिगत नहीं, पारिवारिक सोच हो सकती है। इसके लिए अपने परिवार को त्योहारों और अन्य आर्थिक प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। जैसे आप दिवाली पर सालभर का हिसाब लगाते हैं, वैसे ही परिवार के साथ तिमाही वित्तीय समीक्षा कर सकते हैं। मासिक पारिवारिक बजट बनाकर ख़र्चों पर नियमित रूप से नियंत्रण भी रखें। साथ-साथ आप साल में कम-से-कम 2 से 3 बार परिवार के साथ 'पैसों की मीटिंग' कर सकते हैं। इसमें अपने परिवार की अगली पीढ़ी को भी शामिल किया जा सकता है। उन्हें बचपन में पॉकेट मनी, महंगाई, सेविंग और निवेश की शिक्षा द्वारा पैसों का मोल समझाया जा सकता है।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)